Bharat Petroleum
M/s. SHANTA SERVICE STATION
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

दैनिक धनुष धारी

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-32, अंक 128, उल्हासनगर, शनिवार 26 अप्रैल 2025 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

उल्हासनगर में जलापूर्ति मीटर योजना की शुरुआत

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में लोगों के घरों तक पहुंचने वाली पानी की पाइप लाइनों पर मीटर लगाने का काम मनपा के जलापूर्ति विभाग द्वारा शुरू किया गया है। बता दें कि मनपा क्षेत्र में डेढ़ लाख से अधिक संपत्तियां हैं उन सभी संपत्तियों की पानी की पाइप लाइन के लिए मीटर लगाई जा रही है. इस संदर्भ में विधायक कुमार आयलानी का कहना है कि हमारा ये प्रयास है कि सभी लोगों को एक समान पानी मिले।

मीटर लगने से लोगों को ये फायदा होगा कि जितना पानी का इस्तेमाल करेंगे उतना ही वे पानी के मद में भुगतान करेंगे. जिस तरह महावितरण का बिजली का मीटर लगा है और जो उपभोक्ता जितना बिजली उपभोग करते हैं उन्हें उतना ही पैसा भरना पड़ता है. उसी प्रकार नागरिक जितना पानी का इस्तेमाल करेंगे उतना ही पैसा उन्हें भरना पड़ेगा. कुमार आयलानी ने कहा कि मीटर लगाने का काम एक से डेढ़ साल में पूरा होने की उम्मीद है. विधायक आयलानी ने नागरिकों से अपील की है कि मनपा द्वारा जो पानी का मीटर लगाया जा रहा है उसके लिए आप सहयोग करें और उन्हें मीटर लगाने दें. कुमार आयलानी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में लोगों को पानी की समया से नहीं जूझना पड़ेगा इसके लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं।

एमआईडीसी द्वारा साफ पानी दिए जाने पर भी...

नलों में आ रहा गंदा पीला पानी

उमनपा प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा भुगत रहा है शहर - वधरिया

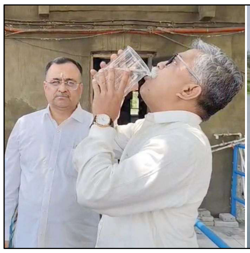

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर शहर में पिछले एक हफ्ते से नल में पीला और दूषित पानी आ रहा है। इससे कई लोगों को पेट संबंधित तथा पानी से फैलने वाली विभिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। उल्हास नदी से जलकुंभी निकालने के कारण पानी पीला आ रहा है, ऐसा कारण महानगरपालिका की ओर से दिया जा रहा है, लेकिन जलकुंभी निकालने का काम तीन दिन पहले खत्म होने के बाद भी अभी तक पीला पानी आने से नागरिकों ने रोष व्यक्त किया है। एमआईडीसी की ओर से सप्लाई किया जाने वाला पानी पीला है या नहीं, इसकी जांच करने के लिए भाजपा के पूर्व नगरसेवक राजेश वधरिया ने शहाड जल शुद्धीकरण केंद्र का दौरा किया, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि वहां से शुद्ध पानी की आपूर्ति हो रही है।

अधिकारियों ने इस दौरान पानी पीकर भी दिखाया और साथ ही पानी का पीएच लेवल भी चेक करवाया। इसके बाद जल शुद्धीकरण केंद्र से स्वच्छ पानी की आपूर्ति के बावजूद लोगों के घरों के नलों में पीला पानी आने की शिकायत करने के लिए जब श्री वधरिया ने उल्हासनगर महानगर पालिका द्वारा होने वाली पानी की आपूर्ति पाइप लाइन दोषपूर्ण हो सकती है? इसका जायजा लेने के लिए अधिकारियों को फोन किया गया तो कोई भी सही जवाब नहीं दे सका, साथ ही उमनपा आयुक्त व प्रशासक सोमवार को आएंगे, वे छुट्टी पर हैं, ऐसी जानकारी उन्हें मिली। राजेश वधरिया का कहना है कि लाखों शहरवासियों को शुद्ध पानी देना महानगर पालिका प्रशासन का कर्तव्य है, उन्हें इसे पूरा करने के लिए अपनी छुट्टी तक रद्द करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले करीबन 3 साल से शहर में लागू प्रशासक राज में अधिकारियों की मनमानी व लापरवाहीं से शहरवासी परेशान हो चुके है। यहां लोग बीमार पड़ रहे है और वहां मनपा बस एक पत्र जारी कर लोगों से आव्हान कर देती है कि पानी उबालकर पियों। राजेश वधरिया ने अंत में मनपा प्रशासन से अपील की कि वे जल्द से जल्द इस गंभीर समस्या का समाधान कर शहरवासियों को साफ पानी देने के महत्वपूर्ण कर्तव्य का पालन करें।

उल्हासनगर मनपा में 10 करोड़ रुपये के मैन्युअल टेंडर घोटाले की तैयारी?

वित्तीय सलाहकार अजित माखीजानी के गंभीर आरोप

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर मनपा के सार्वजानिक बांधकाम विभाग में एक बार फिर से पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के जाने-माने व्यवसायी व वित्तीय सलाहकार अजित माखीजानी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि मनपा में 10 से 12 करोड़ रुपये तक के टेंडर मैन्युअल तरीके से जारी करने की तैयारी चल रही है और वो भी ऐसे कार्यों के लिए जो न तो ज़रूरी हैं और न ही प्राथमिकता में आते हैं। माखीजानी ने कहा कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उल्हासनगर मनपा में कुछ बड़े ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसे टेंडर निकाले जा रहे हैं जो पूरी तरह से नियमों के खिलाफ हैं।

अजित माखीजानी ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया में नियमानुसार अखबारों में सार्वजनिक नोटिस, मनपा के नोटिस बोर्ड पर सूचना और शासन की अधिकृत वेबसाइट पर टेंडर फ्लोट करना आवश्यक होता है। लेकिन मिली जानकारी के अनुसार करोड़ों रुपये के टेंडर को 10-10 लाख के छोटे हिस्सों में बांटकर मैन्युअल तरीके से अपने चहेते ठेकेदारों को सौंपने की योजना बनाई जा रही है। जिसमें शहर के कई बड़े नेताओं की भी मिलीभगत है। उन्होंने याद दिलाया कि जब उल्हासनगर की पहली महिला आईएएस आयुक्त मनीषा आव्हाले ने पदभार संभाला था, तो उन्होंने यह स्पष्ट आदेश दिया था कि सभी टेंडर ऑनलाइन व पारदर्शी प्रक्रिया के तहत निकाले जाएंगे और टेंडर में किसी भी प्रकार की हेरफेर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मनपा आयुक्त ने पीडब्ल्यूडी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को काम में लापरवाहीं व मनपा को वित्तीय नुकसान पहुंचाने के आरोप में निलंबित तक कर दिया पर अफसोस अब फिर से उसी पुरानी भ्रष्ट प्रणाली की वापसी हो रही है! श्री माखीजानी ने सवाल उठाया कि क्या अधिकारी इतने बेखौफ हो गए हैं कि दोबारा वही घोटाले करने की तैयारी कर रहे हैं? उन्होंने यह भी कहा कि जब इस मामले पर अधिकारियों से सवाल किया जा रहा है तो वे मुद्दे को घुमाने की कोशिश कर रहे है और जवाब दे रहे है कि ऐसा कोई टेंडर है ही नहीं। अंत में उन्होंने मांग की कि पूरी टेंडर प्रक्रिया को सार्वजनिक और पारदर्शी बनाया जाए और जो अधिकारी इसमें लिप्त हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा, 'टैक्स देने वाले नागरिकों के पैसों का दुरुपयोग अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

मानसून से पहले पुरानी इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करवा लें नागरिक- आयुक्त आव्हाले

उल्हासनगर (नि.स.)। वर्षों से उल्हासनगर में पुरानी इमारतें लोगों के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। अबतक 20 से 30 साल पुरानी दर्जनों इमारतों के स्लैब ढह चुके हैं तो कुछ इमारतें गिर चुकी है जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई है तो कई लोग जख्मी हुए हैं। हर साल मानसून से पूर्व मनपा द्वारा खतरनाक इमारतों की पहचान कर इसकी सूची जारी की जाती है और उसमें रहने वाले नागरिकों से सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील करती है। अब एक बार फिर उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों को आगाह किया है और पुरानी इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करवा लें तथा संभावित दुर्घटना से बचने के लिए नागरिको को मनपा के निर्देश का तुरंत पालन करने की बात कही गई है।

चूँकि पूर्व में कई इमारतों के स्लैब गिर चुके हैं जिससे कई लोगों की जान खतरे में पड़ गई है, इसलिए मनपा ने समय रहते कदम उठाते हुए मनपा की प्रशासक/आयुक्त मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन में अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस ने एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक अपील जारी की है। मनपा ने शहर के नागरिकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उल्हासनगर शहर में 10 साल से अधिक पुरानी इमारतों में रहने वाले नागरिक तुरंत अपनी इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाएं और निरीक्षण रिपोर्ट मनपा के प्रभाग समिति कार्यालय में जमा कराए। उल्हासनगर मनपा की वेबसाइट पर खतरनाक इमारतों की सूची प्रकाशित की गई है। नागरिको को तुरंत जांच करनी चाहिए कि उनकी इमारत का नाम इस सूची में है या नहीं। उल्हासनगर महानगरपालिका के पैनल में अधिकृत स्ट्रक्चरल इंजीनियरों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। नागरिक अपने इमारतों की स्ट्रक्चरल ऑडिट केवल अधिकृत इंजीनियर से कराएं। सबसे अच्छा उपाय है कि मानसून आने से पहले स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाकर इन इमारतों की सुरक्षा की जांच करा ली जाए। महानगर पालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले ने प्रत्येक नागरिकों को इस अपील को गंभीरता से लेने तथा महानगर पालिका का सहयोग करने की अपील की है।

नागरिक सहयोग करें- आयुक्त

उल्हासनगर मनपा की आयुक्त मनीषा आव्हाले ने कहा कि शहर में धोखादायक इमारतें हैं वो मॉनसून में बहुत ज्यादा धोखादायक हो जाते हैं। इससे बहुत गंभीर परिस्थिति निर्माण हो जाते हैं। हम अभी ही समर में ही एक पूरा कैंप या सर्वे लेने वाले हैं जिसके लिए हम चाहते हैं कि नागरिक हमारा सहयोग करें। हमारे सामने आए जो लोगों की रिस्पॉन्सिबिलिटी है वो खुद ही वो संभाले तो मुझे लगता है ज्यादा बेहतर होगा क्योंकि उस बिल्डिंग में बच्चे, बूढ़े सब रह रहे हैं। इसलिए समय रहते हम अगर इमारतों को थोड़ा रिपयर कर लेंगे तो आने वाले खतरों से बच सकते हैं। इसलिए मेरा नागरिकों से ये अनुरोध रहेगा कि वे आगे बढ़कर हमें बताएं और सहयोग करें।

पहलगाम हमले के विरोध में भाजपा ने अंबरनाथ में निकाला कैंडल मार्च

खून का बदला खून से लिया जाएगा- करंजुले

अंबरनाथ (नि.स.)। मंगलवार को कश्मीर घाटी के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 27 निर्दोष भारतीय हिंदू पर्यटकों के मारे जाने के बाद पूरे देश में गुस्से की लहर है। इसी के मद्देनजर गुरुवार 24 अप्रैल की शाम को अंबरनाथ में भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल के मार्गदर्शन में भाजपा शहर अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले पाटिल के नेतृत्व में अंबरनाथ (पूर्व) स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से हुतात्मा चौक तक मौन कैंडल मार्च निकाला गया। उपस्थित लोगों ने काली पट्टी बांधकर तथा हाथों में मोमबत्तियां जलाकर, वंदे मातरम तथा भारत माता की जय के नारे लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया तथा नागरिकों ने पाकिस्तानी झंडा जलाकर हमले के पीड़ितों को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

भारतीय जनता पार्टी अंबरनाथ शहर द्वारा आयोजित विरोध कैंडल मार्च में अंबरनाथ ब्राह्मण संघ, श्री हेरंब सेवा समिति, ब्राह्मण सभा अंबरनाथ तथा बड़ी संख्या में अंबरनाथ के नागरिकों ने भाग लिया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। इस कैंडल मार्च में शामिल नागरिकों ने काली पट्टी बांधकर तथा पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने आतंकवादी हमले के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुए पाकिस्तान का झंडा भी जलाया। एकमत से मांग की गई कि आतंकवादियों तथा उनका समर्थन करने वाले देश को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। भाजपा शहर अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले पाटिल ने कहा कि अब सरकार को आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर खत्म करना चाहिए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने मौन धारण कर हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। भाजपा के प्रदेश महासचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल ने केंद्र सरकार के प्रति अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा, 'यदि आतंकवादी हम में से 27 लोगों को मारते हैं, तो हम उन्हें 4 गुना मारेंगे, ऐसे जघन्य तरीके से धर्म पूछ रहे हैं, बेशर्मी से चेकिंग और गोली मारने का मतलब है कि दुनिया की पीठ पर कोई भी ऐसा जघन्य कृत्य नहीं कर सकता है। इसलिए पाकिस्तानी आतंकवादियों को सख्त सजा दिए बिना चुपचाप बैठे रहना एक तरह से नरम भूमिका होगी।'

मौन कैंडल मार्च विरोध आंदोलन में भाजपा नेता गुलाबराव करंजुले पाटिल, भाजपा अंबरनाथ पूर्व मंडल शहर अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले पाटिल, बागेश्वर धाम महाराष्ट्र राज्य संयोजक अभिजीत करंजुले पाटिल, भाजपा पश्चिम शहर अध्यक्ष लक्ष्मण पंत, प्रजेश तेलंगे, राजेंद्र (अप्पा) कुलकर्णी, संजय आदक, दत्तात्रय कुलकर्णी, अभय सोमण, दिलीप कणसे, संतोष शिंदे, महेश मोरे, कमलेश दोशे, दिलीप साठे, बाला माने किशोर शिंदे, राजू गायकवाड, एकनाथ चौधरी, नरसीमूल बोलबंडा, वसंत कोंडीगिरी, रमण वैती, दत्तात्रय देशमुख, संदीप विशे, पराग वेलणकर, अरबाज खान, जलील चाचा, रुपाली लठ्ठे, सुजाता भोईर, वृंदा पटवर्धन, कुसुम रोहिदास, श्रद्धा गुंजाल, पूजा रणदिवे, सुनीता लयाला, कांचन मिश्रा, ममता त्रिपाठी, सुरेखा शाह समेत अंबरनाथ के कई कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नागरिकों ने यह भावना व्यक्त की कि देश की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली ऐसी आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

मानसून से पहले की तैयारियों को लेकर आयुक्त गोयल ने ली समीक्षा बैठक

कल्याण (नि.स.)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के आयुक्त अभिनव गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार 25 अप्रैल को मानसूनपूर्व तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक आयुक्त कार्यालय में संपन्न हुई, जिसमें आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न प्रभागों में आवश्यक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान आयुक्त ने निर्देश दिए कि नालों की सफाई का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए तथा प्राथमिक चरण में ही उसमें जमा गाद को हटाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने बड़े और मध्यम नालों के साथ-साथ छोटे गटरों के समीप स्थित जीवीपी स्थानों पर नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए। जिन क्षेत्रों में वर्षा का पानी अक्सर जमा हो जाता है, उन स्थानों की पहचान कर वहां आवश्यक सेवाएं सुचारू रखने हेतु वार्ड स्तर पर विशेष टीमें गठित करने के निर्देश भी आयुक्त द्वारा दिए गए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन उपायों से वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या में कमी आएगी। अंत में, आयुक्त गोयल ने महापालिका के सभी संबंधित विभागों को इन निर्देशों पर तुरंत अमल शुरू करने के स्पष्ट आदेश दिए।

Staff Required
(SINDHI MALE)
Qualification-B.COM PASSED
FOR ACCOUNTS
& FOR SALESMAN
Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : MR. RAJESH
MOB.NO. 9307579475

खाड़ी में अज्ञात महिला का शव मिला

ठाणे (नि.स.)। ठाणे के घोड़बंदर रोड पर वाघबिल खाड़ी में एक अज्ञात महिला का शव मिला। यह मामला कासारवडवली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस ने आगे की कार्यवाही के लिए शव को ठाणे जिला सरकारी अस्पताल भेज दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। घोड़बंदर रोड पर गणपति विसर्जन घाट के पास वाघबिल खाड़ी के किनारे एक अज्ञात महिला (लगभग 22 से 25 वर्ष) का शव मिला। घटना की सूचना मिलने पर कासारवडवली पुलिस स्टेशन के अधिकारी और कर्मचारी तथा आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आपदा प्रतिक्रिया कर्मियों की मदद से शव को खाड़ी से बाहर निकाला गया। शव को कासारवडवली पुलिस कर्मियों को सौंप दिया गया। महिला के शव को कासारवडवली पुलिस ने आगे की कार्यवाही के लिए जिला सरकारी अस्पताल, ठाणे भेज दिया है। पुलिस मृतक की पहचान में जुटी है।

संपादकीय

उलटी पड़ी ट्रंप की टैरिफ रणनीति

अमेरिकी राष्ट्रपति को अब शायद यह बात समझ आने लगी है कि उनकी रणनीति बहुत कारगर साबित नहीं होने वाली। शायद इसीलिए अब बातचीत की संभावना भी खोजी जाने लगी है। सत्ता की बागडोर संभालते ही जिस तरह उन्होंने दुनिया के तमाम देशों को पहले धमकाया और फिर पारस्परिक शुल्क लगा दिया, उससे उन्हें शायद यकीन था कि सारे देश उनके आगे घुटने टेक देंगे और अमेरिका की अर्थव्यवस्था कुलांचे भरनी शुरू कर देगी। मगर पारस्परिक शुल्क लगाने के साथ ही दुनिया भर में उनका विरोध शुरू हो गया। बाजार नीचे की तरफ लुढ़कने शुरू हो गए। खुद अमेरिका में ट्रंप को अभूतपूर्व विरोध का सामना करना पड़ा। ऐसे में, उन्होंने अपनी शुल्क नीति पर विराम लगाना पड़ा। कुछ देशों पर उन्होंने नब्बे दिनों के लिए अपनी शुल्क नीति पर रोक लगा दी। हालांकि चीन के साथ उनका शुल्क युद्ध रोज एक नया मोड़ लेता दिख रहा है। अब चीन ने भी अमेरिका पर सवा सौ फीसद का जवाबी शुल्क लगा दिया है। फिर भी अमेरिका को लगता है कि चीन जल्दी ही घुटने टेक देगा और वह ट्रंप से बातचीत की मेज पर आएगा। पर चीन ने दूसरे देशों को अमेरिका के खिलाफ अपने पक्ष में एकजुट करना शुरू कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप की पारस्परिक शुल्क नीति से सबसे अधिक नुकसान खुद अमेरिका को होता नजर आ रहा है। चीन ने दूसरे देशों को कुछ रियायत के साथ अपने उत्पाद बेचने की पेशकश शुरू कर दी है। उसके बाजार पर बहुत प्रतिकूल असर नजर नहीं आ रहा। चीन का निर्यात प्रभावित होने से अमेरिकी बाजार में जरूर सुस्ती पसरनी शुरू हो गई है। हालांकि ट्रंप ने माना कि कुछ बड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए दवाएं देनी पड़ती हैं। मगर अमेरिकी नागरिक महंगाई की मार को बहुत देर तक झेलने की स्थिति में नहीं हैं। जिन देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की तिथि नब्बे दिनों के लिए टाल दी गई है, उनमें भी आधार शुल्क दस फीसद लागू है। इसी से वहां महंगाई बढ़ गई है। अगर ट्रंप अपनी जिद पर अड़े रहते हैं और नब्बे दिन बाद पारस्परिक शुल्क लागू करते हैं, तो दूसरे देश भी वैसा करने को तैयार हैं। यहां तक कि यूरोपीय संघ भी उनके इस फैसले के विरोध में है और उसने अपने जवाबी शुल्क की तारीख नब्बे दिन के लिए टाल दी है। इस तरह ट्रंप को अपने ही सहयोगियों का कड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है। ट्रंप की पारस्परिक शुल्क नीति से सबसे अधिक विश्व व्यापार संगठन की नीतियों का उल्लंघन हो रहा है। उचित ही उसने भी ट्रंप के इस कदम पर कड़ा एतराज जाहिर किया है। विश्व व्यापार संगठन का गठन ही इस इरादे से किया गया था कि दुनिया के देश आसान नियम-शर्तों के साथ वाणिज्य-व्यापार कर सकें। उसमें गरीब देशों को शुल्कों में रियायत देने और अमीर देशों से कुछ शुल्क वहन करने की अपेक्षा की गई थी। उसी नीति के तहत अमेरिका को गरीब देशों से आयात होने वाली वस्तुओं पर शुल्क देना पड़ता था। ट्रंप ने उस नियम को दरकिनार कर दिया है। इस तरह पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखलाएं प्रभावित होंगी और वाणिज्य-व्यापार के नए समीकरण बनेंगे, जिससे व्यापार युद्ध का खतरा गहराता जाएगा। मगर आर्थिक विशेषज्ञों को यकीन है कि जिस तरह ट्रंप के कदम ठिठकने लगे हैं, वे फिर से इस नीति पर विचार करेंगे।

संपादक, टीकम लालवानी

भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने में सांस्कृतिक संगठनों को भी निभानी होगी विशेष भूमिका

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अतः इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है।

(प्रहलाद सबनानी)

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था।

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अतः इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है। जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है। इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। 'वसुधैव कुटुंबकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय', 'सर्व भवंतु सुखिनः' का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। 'व्यक्ति से समष्टि' की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है।

वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं। यूरोपीयन देशों में पनप रही आतंकवाद की समस्या पूरे विश्व में आतंकवाद की समस्या मान ली जाती है। परंतु, भारत द्वारा झेली जा रही आतंकवाद की समस्या यूरोप के लिए आतंकवाद नहीं है। यह पश्चिमी देशों के डीएनए में है कि विकास की राह पर केवल मैं ही आगे बढ़ूँ, जबकि भारतीयों के डीएनए में है कि सबको साथ लेकर ही विकास की राह पर आगे बढ़ा जाय। यह भावना भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों में भी कूट कूट कर भरी है। इसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। संघ के लिए राष्ट्र प्रथम है, और भारत में निवास करने वाले हम समस्त नागरिक हिंदू हैं, क्योंकि भारत में निवासरत प्रत्येक नागरिक से सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। भले ही, हमारी पूजा पद्धति भिन्न भिन्न हो सकती है, परंतु संस्कार तो समान ही रहने चाहिए। इसी विचारधारा के चलते आज संघ देश के कोने कोने में पहुंचने में सफल रहा है। संघ ने न केवल राष्ट्र को एकजुट करने का काम किया है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय तथा उसके बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अपनी सक्रिय भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है परंतु संघ इसे अपनी उपलब्धि बिल्कुल नहीं मानता है बल्कि संघ के लिए तो शताब्दी वर्ष भी जैसे स्थापना वर्ष है और उसी उत्साह से अपने कार्य को विस्तार तथा सुदृढीकृत करते हुए आगे बढ़ने की बात कर रहा है। संघ का अपनी 100 वर्षों की स्थापना सम्बंधी उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने का विचार नहीं है बल्कि इस उपलक्ष में संघ के स्वयंसेवकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे आत्मचिंतन करें, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार प्रकट करें एवं राष्ट्र के लिए समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करें। शताब्दी वर्ष में समस्त स्वयंसेवकों से अधिक सावधानी, गुणवत्ता एवं व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया जा रहा है।

आज संघ कामना कर रहा है कि पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणी शांति के साथ अपना जीवन यापन करें एवं विश्व में लड़ाई झगड़े का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अतः हिंदू सनातन संस्कृति का पूरे विश्व में फैलाव, इस धरा पर निवास कर रहे समस्त प्राणियों के हित में है। इस संदर्भ में आज हिंदू सनातन संस्कृति को किसी भी प्रकार का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब तो विकसित देशों द्वारा की जा रही रिसर्च में भी इस प्रकार के तथ्य उभर कर सामने आ रहे हैं कि भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है और यह हिंदू सनातन संस्कृति के अनुपालन से ही सम्भव हो सका है। अतः आज विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में ही फैलाने की आवश्यकता है। परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भी संघ की स्थापना के समय कहा था कि संघ कोई नया कार्य शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि कई शताब्दियों से चले आ रहे काम को आगे बढ़ा रहा है। संघ का यह स्पष्ट मत है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अतः हमारा कर्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिशिष्ठ परिवार, स्व बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का निर्माण करें एवं इसके आधार पर समाज के सब प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्र्जीवन खड़ा करें। संघ का यह भी स्पष्ट मत है कि हिंदुत्व की रक्षा और उसका सशक्तिकरण ही विश्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। 99 वर्षों की साधना के बाद संघ का प्रभाव देश में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, और राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी भावना और हिंदू संस्कृति को ऊर्जा के स्त्रोतों के रूप में पुनर्परिभाषित करने के प्रयास तेज हो चुके हैं।

उक्त संदर्भ में संघ द्वारा नवम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान किन्हीं तीन सप्ताह तक बड़े पैमाने पर घर घर सम्पर्क अभियान की योजना बनाई गई है, इसका विषय 'हर गांव, हर बस्ती, हर घर' होगा। साथ ही, संघ द्वारा समस्त मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और पंच परिवर्तन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी, का संदेश दिया जाएगा। प्रत्येक खंड एवं नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, इन बैठकों में एक साथ मिलकर रहने पर बल दिया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिंदू चरित्र को खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। प्रयागराज में हाल ही में सम्पन्न महाकुम्भ में समस्त क्षेत्रों में लोग एक साथ आए थे, किसी को भी किसी नागरिक की जाति, मत, पंथ, आदि की जानकारी नहीं थी। विभिन्न नगरों के संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, युवाओं के लिए भी राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियां एवं पंच परिवर्तन पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना विभिन्न प्रांतों द्वारा तैयार की जा रही है।

आज भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरह अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे आकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में अपना योगदान देने की आवश्यकता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या है जगन्नाथ मंदिर ध्वज का रहस्य

(गीतिका दुबे)

भगवान जगन्नाथ के मंदिर को लेकर हुई एक विचित्र घटना की चर्चा इस वक्त चारों ओर हो रही है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो चल रहा है जिसमें दिखाया जा रहा है कि एक चील मंदिर के ध्वज को लेकर जगन्नाथ मंदिर के ऊपरी हिस्से के चारों तरफ उड़ रहा है। ज्योतिष के जानकार इस घटना को एक अपशकुन मान रहे हैं। साथ ही इस दृश्य ने ओडिशा समेत पूरे देश के श्रृद्धालुओं को चिंता में डाल दिया है। लोगों के मन में डर है कि अब आगे क्या बुरा होने वाला है। इस संबंध मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पुरी में भगवान जगन्नाथ के मंदिर के ध्वज से जुड़ी एक विचित्र घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडिया में दिखाया जा रहा है कि एक चील मंदिर के ध्वज को लेकर जगन्नाथ मंदिर के शिखर के चारों ओर मंडरा रहा है। ज्योतिष विशेषज्ञ इस घटना को एक अपशकुन के तौर पर देख रहे हैं और किसी अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। इससे पहले भी साल 2020 में आकाशीय बिजली के चमकने मंदिर के ध्वज में आग लग गई थी तो उसके ठीक फिर कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था। फिर 2022 में मंदिर के स्तंभों में दरार आने की खबर आई थी तो उसके बाद वहां की सत्ता में बड़े परिवर्तन की स्थिति बनी और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।

अब इस साल फिर से इस अपशकुन का होना न जाने किस तरह की अनहोनी की ओर इशारा कर रहा है। हालांकि अभी तक इस संबंध मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि चील ने जिस ध्वज को पकड़ रखा है वह जगन्नाथ मंदिर का नहीं है, बल्कि किसी दूसरे मंदिर का है। इन सब खबरों के बीच आपको आपको बताते हैं जगन्नाथ मंदिर के ध्वज से जुड़े अनोखे रहस्य।

जगन्नाथ मंदिर के ध्वज का रहस्य- जगन्नाथ मंदिर का ध्वज विज्ञान को चुनौती देता है। यह हवा की विपरीत दिशा में लहराता है। हवा की दिशा कुछ भी हो, ध्वज की दिशा हमेशा एक ही रहती है। यह घटना वैज्ञानिकों को हैरान कर रही है। इस ध्वज के लहराने की दिशा निश्चित है, फिर हवा चाहे किसी भी दिशा में क्यों ना चले। जगन्नाथ मंदिर का ध्वज रोजाना बदला जाता है। मान्यता है कि जिस दिन यह ध्वज किसी भी कारण से नहीं बदला जाएगा तो यह स्थान आने वाले 18 सालों तक बंद रहेगा। अगर इस बीच मंदिर के कपाट खोले गए तो प्रलय भी आ सकता है। यह मान्यता लोगों को आश्चर्यचकित करती है। लोग इस रहस्य के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। मंदिर के शिखर पर रोजाना एक पुजारी 45 मंजिल जितनी ऊंचाई पर चढ़ता है, और यह ध्वज बदलता है।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

वर्ग पहेली 5561

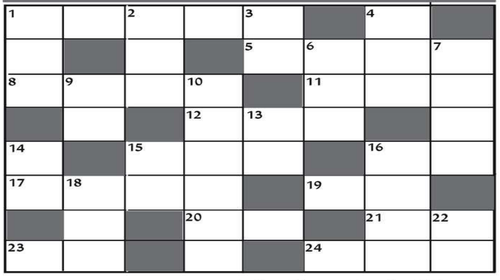

संकेतः बाएं से दाएं

1. टेस्ट मैचों में विश्व का सर्वाधिक रन स्कोर बनाने वाला वेस्टइंडीज का क्रिकेटर (अप्रैल 2004, 400 रन)(5)
5. शिकवा, उपलंभ, उलाहना (4)
8. फहराना, कंप युक्त गति होना (4)
11. व्यंग्यपूर्ण या छल भरी बात (3)
12. माता लक्ष्मी के नामों में से एक (3)
15. यूनानी रीति से चिकित्सा करने वाला (3)
16. पश्चिमी अफ्रीका का एक देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)
17. पडौसी, प्रतिवेशी, हमसाया (4)
19. बुनियाद, जड़, नींव, आदि कारण (2)
20. फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक (2)
21. किसी त्यौहार व विशेष पर्व के अवसर पर लगा लोगों का जमघट या समूह (2)
23. मिथ्या संवाद या झूठी खबर (2)
24. परवरिश करना, भरण-पोषण करना (3)

ऊपर से नीचे

1. विश्व का एक मात्र देश जिससे भूमध्य रेखा और मकर रेखा दोनों की गुजरती है (3)
2. विलास चेष्टा, नाज-अदा, चोचला (3)
3. पुंज (2)
4. काबिल, योगय (3)
6. पैदल यात्रियों का समूह या दल (3)
7. करीने से काटना या कतरना (4)
9. जिद, दुराग्रह, दृढ प्रतिज्ञा, अटल संकल्प (2)
10. ठीक सामने की स्थिति को यह कहते है (6)
13. मेरा या मेरी (संस्कृत)(2)
14. ब्राह्मण, पुरोहित (2)
15. बयार, पवन, वायु, समीर (2)
16. मिलावट, अनुचित मेल, गड्डमगड्ड (4)
18. नृत्य में एक प्रकार की गति (3)
22. उपस्थित करना, ले आना (2)

वर्ग पहेली 5560 का हल

इं	दि	रा	गां	धी		स्वा	न
त	न		व		आ	ग	म
जा	मा			आ	ज	त	क
म	न	भा	व	न			ह
		टा		बा	ज		रा
सा	ग		ज	न	म		म
त	ज		रि		घ	ना	
	ब	का	या		ट	न	

रास्ता खोजो

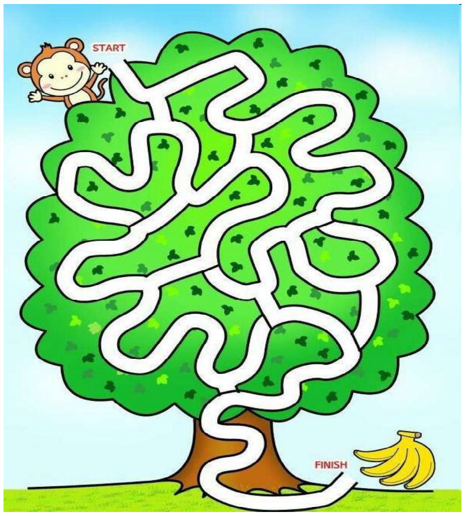

Reliance
Konark Enterprises Pvt. Ltd.
AUTHORISED DEALER
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

मेनिनजाइटिस इंफ्लामेशन काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यह इंफेक्शन के कारण होता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो शरीर की कुछ क्षमताएं खत्म हो सकती हैं। इसलिए इसके लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

3 चीजों से बनता है मेनिनजाइटिस तुरंत चाहिए इलाज

दिमाग को बॉडी का प्रमुख कहा जाता है। यह शरीर के बाहरी और अंदरुनी सारे काम कंट्रोल करता है। अगर इसमें कोई भी खराबी आ जाए तो शरीर में भी खराबी आने लगती है। मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी समस्या है। इसके अंदर दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के मेंब्रेन में इंफ्लामेशन आ जाती है। इसमें मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है वरना शरीर कई काम करने बंद कर सकता है। यह बीमारी काफी खतरनाक है, इस कारण वर्ल्ड मेनिनजाइटिस डे की तारीख 24 अप्रैल से 5 अक्टूबर बदल दी गई। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सकें।

मेनिनजाइटिस होने के पीछे इंफेक्शन होते हैं। यह वायरल, बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है। वायरल इंफेक्शन सबसे ज्यादा मेनिनजाइटिस के लिए जिम्मेदार देखा गया है। हालांकि दूसरे इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

इसके लक्षण कारण पर निर्भर करते हैं। हालांकि, कुछ आम संकेत निम्नलिखित हैं, जो किसी और बीमारी के कारण भी हो सकते हैं।

- भूख मरना
- चिड़चिड़ापन
- उल्टी
- डायरिया
- सांस की दिक्कत
- सिरदर्द
- बुखार
- गर्दन में अकड़न
- लाइट से सेंसिटिविटी
- ज्यादा नींद आना

बच्चों में मेनिनजाइटिस

यह इंफ्लामेशन छोटे बच्चों को भी हो सकती है। उनके अंदर निम्नलिखित लक्षण दिख सकते हैं।

- बुखार
- शरीर में अकड़न
- तेज रोना
- बच्चा शांत ना होना
- ज्यादा सोना
- चल ना पाना
- चिड़चिड़ापन

शरीर ये काम कर देता है बंद

मेनिनजाइटिस के कारण शरीर को काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो सुनने की क्षमता, याददाश्त, देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसकी वजह से दौरा पड़ना, माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, सबड्यूरल एम्पायमा, हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

फैल भी सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस संक्रामक भी हो सकता है। इसके कुछ प्रकार एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। मरीज के खांसने, छींकने या चुंबन लेने से यह स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित बना सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों में यह वायरस या बैक्टीरिया अक्सर गले या नाक में मौजूद रहता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है।

मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

न जिम-न डाइटिंग, हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

पाचन में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

किसी तरह की रोक न लगाएं

केंद्र ने वक्फ एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर किया हलफनामा

नई दिल्ली। वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। वहीं, अब कोर्ट के अंतरिम आदेश पर केंद्र सरकार ने चुप्पी तोड़ी है। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का सख्त विरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि अदालत को वैधानिक प्रावधानों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाने का कोई अधिकार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश- दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ में गैर मुस्लिमों की एंट्री पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया था। कोर्ट के अनुसार, केंद्र के जवाब देने तक वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की एंट्री नहीं होगी। आज इसी मामले पर कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि यह एक वैधानिक मामला है, जिसमें कोर्ट को रोक लगाने का अधिकार नहीं है।

केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा- संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। ऐसे में अंतरिम रोक शक्ति संतुलन के सिद्धांतों के खिलाफ है। यह कानून संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों पर बनाया गया है, जिसके बाद दोनों सदनों में कई घंटों की बहस हुई और फिर इस कानून को पास किया गया था।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एक साल से फरार था संजीव मुखिया

पटना। नीट पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। बिहार पुलिस की एसटीएफ ने उसे पटना से गुरुवार की रात गिरफ्तार किया। संजीव मुखिया कई महीनों से फरार था। बिहार पुलिस ने उस पर 3 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। पेपर लीक मामले में पहले ही मुखिया के बेटे समेत 36 लोग पकड़े जा चुके हैं। संजीव मुखिया की गिरफ्तारी से इस मामले में कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। बिहार एसटीएफ और ईओयू की टीम संजीव मुखिया से पूछताछ कर रही है। पुलिस मानती है कि वह पेपर लीक की मुख्य कड़ी है। उससे पूछताछ के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं। बिहार पुलिस की ईओयू ने इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच में कई सॉल्वर और बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि संजीव मुखिया नीट पेपर लीक का मुख्य साजिशकर्ता है। मामला सामने आने के बाद वह भाग गया था।

'हम 30 साल से ये डर्टी काम करते आ रहे'

● आतंकवाद पर पाक रक्षा मंत्री का बेशर्म कुबूलनामा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा के अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं। लेकिन उन्होंने बेहद बेशर्मी से इस बात को कुबूला कि पाकिस्तान 30 साल से ये गंदा काम करता आ रहा है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक हैरान करने वाला इकबालिया बयान दिया है। ब्रिटेन स्काई न्यूज के साथ बातचीत के दौरान ख्वाजा आसिफ ने माना है कि पाकिस्तान का आतंकवाद को सपोर्ट करने और टेरर फंडिंग करने का लंबा इतिहास रहा है। स्काई न्यूज के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हम लोग 30 साल से इस गंदे काम को अमेरिका के लिए करते आ रहे हैं।

भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा का अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं।

'आतंकी संगठनों को धन देने का इतिहास रहा'

वायरल हो रहे एक वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज के यल्दा हकीम से बातचीत कर रहे हैं, जब वह उनसे पूछती हैं, 'आप मानते हैं, सर, कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं।'

ऑल आउट वार पर की बात- भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा का अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया और राहुल गांधी को कोर्ट से बड़ी राहत

फिलहाल नोटिस जारी करने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया। कोर्ट ने ईडी से और दस्तावेज लाने को कहा है। न्यायाधीश ने कहा, 'मैं संतुष्ट होने तक ऐसा कोई आदेश पारित नहीं कर सकता।'

अब इस मामले की सुनवाई दो मई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय ने तर्क दिया कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत, आरोपी को सुने बिना शिकायत (आरोप पत्र) पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। वहीं, ईडी ने अदालत से आग्रह

किया, 'हम नहीं चाहते कि यह आदेश लंबा चले। नोटिस जारी किया जाए।' हालांकि, न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत को पहले इस तरह के नोटिस जारी करने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त होना चाहिए।

क्या है नेशनल हेराल्ड केस?

भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में ट्रायल कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि कुछ कांग्रेसी नेताओं ने गलत तरीके से यंग इंडियन लिमिटेड (YIL) के जरिए एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) का अधिग्रहण किया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि सब कुछ दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया। साजिश के तहत यंग इंडियन लिमिटेड को एजेएल की संपत्ति का अधिकार दिया गया है।

कॉमेडियन कामरा की नहीं होगी गिरफ्तारी

● शिंदे को 'गद्दार' बताने वाले कमेंट पर कुणाल कामरा को राहत

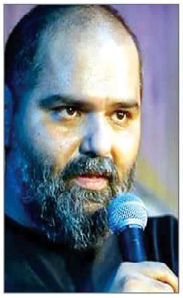

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी के लिए दर्ज एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और याचिका स्वीकार कर ली है। हालांकि, कोर्ट ने जांच पर रोक नहीं लगाई है। कामरा ने शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी एक शो में की थी जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई थी। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कामरा को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई 'गद्दार' टिप्पणी के लिए मुंबई पुलिस की तरफ से उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही केस रद्द करने वाली याचिका को भी स्वीकार कर लिया है। हालांकि कोर्ट ने जांच पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

कुणाल कामरा ने पिछले महीने मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो में एक शो के दौरान महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम लिए बगैर उन्हें 'गद्दार' बताया था, जिसके बाद भारी बवाल देखने को मिला था। यहां तक जिस स्टूडियो में शूटिंग हुई थी वहां भी तोड़फोड़ की गई थी। मामला बढ़ता देख पुलिस ने इस मामले कुणाल कामरा के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसी के खिलाफ कामरा ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया था। पूरे मामले में कामरा ने साफ कर दिया था कि वे किसी भी कीमत पर माफी नहीं मांगेंगे।

डब्ल्यूटीसी फाईनल

में ऑस्ट्रेलिया को बोलैंड की जगह इस अनुभवी को चुनना चाहिए: रवि शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि दिग्गज ग्लेन मैकग्रा की तरह गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाएगा। टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग पक्की है।

ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा हो सकती है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर के साथ उतरने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास हरफनमौला बीयू वेबस्टर को एकादश में शामिल करने का विकल्प भी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हेजलवुड और बोलैंड के बीच चयन होने की संभावना है।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू पर कहा, 'यह बहुत कठिन विकल्प होगा, अगर हेजलवुड फिट होते हैं, तो उन्हें बोलैंड के मुकाबले तरजीह मिलनी चाहिए। हेजलवुड अपने करियर में कई बार चोटिल होने के कारण टीम से बाहर रहे है। वह चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था। वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक कर टीम को यादगार जीत दिलाई। शास्त्री ने कहा, 'हेजलवुड अगर पूरी तरह से फिट है तो दो वजहों से उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिए।

पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी और दूसरा उनके पास मैकग्रा की तरह गेंदबाजी (एक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करना) करने की क्षमता है। लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैक्ग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिए।

मैक्ग्रा ने लॉर्ड्स में तीन टेस्ट में 26 विकेट लिए है जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1997 में 38 रन देकर 8 विकेट लिए है। शास्त्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो वह (मैक्ग्रा) गेंद को दोनों ओर स्विंग करते हुए घातक साबित होते थे और मुझे लगता है कि हेजलवुड अपनी कद के साथ कुछ ऐसा ही कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह पिच ऑस्ट्रेलिया की तरह तेज नहीं हैं, इसलिए आपको थोड़ी अतिरिक्त ऊंचाई और उछाल की जरूरत होती है। हेजलवुड के पास स्कॉट बोलैंड के मुकाबले ऐसा करने की अधिक क्षमता है। मैं हालांकि स्कॉट बोलैंड का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा बयान

पहलगाम में आतंकी हमला मेरे देश ने ही कराया है

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर रह-रहकर डेवलपमेंट हो रहे हैं. बयानों का सिलसिला भी लगातार जारी है. इस बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि ये तो मेरे देश ने खुलेआम मान लिया कि पहलगाम में आतंकी हमला उन्होंने ही कराया है. अब सवाल है कि पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर दानिश ने ऐसा क्यों कहा? तो उन्होंने ऐसा पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है.

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर संबोधित किया था. डिप्टी पीएम के उसी बयान पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जब पाकिस्तान का डिप्टी पीएम ही आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' बता रहा हो तो ये सिर्फ

अपमानजनक नहीं है बल्कि ये मान लेने जैसा भी है कि हमला हमारे देश ने ही कराया है.

पाकिस्तान सरकार पर पहलगाम को लेकर पहले भी साध चुके निशाना

श्रीराम भक्त हिंदू क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन भी अपने देश की सरकार और उसके इरादे पर सवाल उठाए थे. तब उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा था कि अगर वाकई पाकिस्तान का पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हाथ नहीं तो फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस पर चिंता जाहिर क्यों नहीं की? क्यों अचानक ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने कहा गया? साफ है कि आपको सच पता है. आप आंतकियों को पनाह दे रहे हो और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हो. ऐसा करते हुए शर्म आनी चाहिए. दानिश कानेरिया ने पाकिस्तान के लिए 61 टेस्ट और 18 वनडे खेले हैं।

42 गेंदों में हुआ दूध का दूध और पानी का पानी

नजर आया विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट करना हो तो उसके लिए एक गेंद काफी होती है. मैच में जीत और हार के बीच भी 1 गेंद बहुत फर्क डाल सकती है. लेकिन, विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क एक नहीं 42 गेंदें ने बताया है. भारत-पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच दूध का दूध और पानी का पानी करने वाली ये वो 42 गेंदें रहीं, जो एक ही दिन पर, एक ही तरह के फॉर्मेट वाले मैच में, दोनों को डाली गई. उसके बाद जो रिजल्ट नजर आया, उसने बता दिया कि विराट कहां हैं और बाबर कहां?

दिन था 24 अप्रैल का और फॉर्मेट था टी20 का. फर्क बस सिर्फ इतना था कि विराट कोहली इधर भारत में आईपीएल खेल रहे थे और बाबर आजम उधर पाकिस्तान में पीएसएल.मगर एक-दूसरे काफी दूर खेल रहे होने के बावजूद संयोग देखिए की अपने-अपने मैच में दोनों ने एक बराबर गेंदों का ही सामना किया. इधर भारत में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदें खेली और उधर पाकिस्तान में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मैच में बाबर आजम ने भी 42 गेंदों का ही सामना किया.

विराट और बाबर के बीच क्या फर्क नजर आया?

अब 24 अप्रैल को खेले मैच में 42-42 गेंदें खेलने के बाद विराट कोहली और बाबर आजम के बीच जो फर्क नजर आया, वो जानिए. आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेले मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदों पर बनाए 70 रन. वहीं पीएसएल में बाबर आजम ने 42 गेंदों का सामना कर 56 रन ही बनाए. विराट कोहली का स्ट्राइक रेट 166.66 का रहा, जबकि बाबर आजम का 133.33 का. विराट ने 42 गेंदों की अपनी इनिंग में जहां 8 चौके और 2 छक्के लगाए. वहीं बाबर आजम ने 7 चौके और 1 छक्का ही लगाया. साफ है कि विराट रन, स्ट्राइक रेट और बाउंड्रीज की संख्या, हर मामले में बाबर आजम से आगे दिखे हैं. ऐसा तब है जब विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और बाबर आजम उस फॉर्मेट को अभी खेल रहे हैं. एक मैच का ये नतीजा उन लोगों के लिए भी जवाब की तरह है, जो बाबर को विराट से बेहतर बताने की कोशिश करते रहते हैं.

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं आशा रामचन्द्र महास्कर आम जनता को सूचित करना चाहती हूॅ कि श्रीमती यशस्विनी लऊ नाईक व श्रीमती ज्योत्सना सुरेश जाधव ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी रिलीज डीड सीरियल नंबर 6/145, दिनांक 24/04/2025 के माध्यम से दिया है। प्रापर्टी का विवरण है:- रूम, बैरक नंबर 1424 के सामने, छत्रपति शिवाजी नगर, उल्हासनगर-4 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 42सीओ009569100 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं आशा रामचन्द्र महास्कर अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रही हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही:- आशा रामचन्द्र महास्कर। (U)

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं नरेश घनश्यामदास चांडवानी आम जनता को सूचित करना हूॅ कि श्रीमती भारती मनोहर चांडवानी ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी गिफ्ट एग्रीमेंट सीरियल नंबर 6/139, दिनांक 24/04/2025 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है:- शॉप नंबर 8, ग्राउंड फ्लोर, धर्मदास अपार्टमेंट, रूम नंबर 4,5,6,7, बैरक नंबर 514, नेहरू चौक, उल्हासनगर-2 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 27बीआई017370300 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं नरेश घनश्यामदास चांडवानी अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही:- नरेश घनश्यामदास चांडवानी। (U)

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं नरेश घनश्यामदास चांडवानी आम जनता को सूचित करना हूॅ कि श्रीमती भारती मनोहर चांडवानी ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी गिफ्ट एग्रीमेंट सीरियल नंबर 6/135, दिनांक 24/04/2025 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है:- शॉप नंबर 9, ग्राउंड फ्लोर, धर्मदास अपार्टमेंट, रूम नंबर 4,5,6,7, बैरक नंबर 514, नेहरू चौक, उल्हासनगर-2 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 27बीआई017370400 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं नरेश घनश्यामदास चांडवानी अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही:- नरेश घनश्यामदास चांडवानी। (U)

इन आदतों के कारण व्यक्ति नहीं बन पाता अमीर

कंगाली से रहता है परेशान

हर कोई अमीर बनने का सपना देखता है, लेकिन कुछ गलत आदतें और ग्रहों की दशाएं इसमें बाधा डाल सकती हैं। ऐसे में यह जानना बेहद जरुरी है कि आपकी कुंडली में कमजोर ग्रहों के कारण ऐसा हो रहा है या आपकी कुछ आदते इसमें बाधा बन रही हैं। आइए जानते हैं अमीर बनने के लिए कौनसी आदतें आपके लिए बाधा बन रही हैं।हर किसी का सपने होता है कि वह जल्दी अमीर और बड़ा व्यक्ति बन जाएं। कई बार व्यक्ति अपने लक्ष्य को पाने के लिए जी जान से मेहनत करता है लेकिन, तब भी सफलता नहीं हासिल कर पाते है। ऐसा जाने अनजाने में हुई गलतियों के कारण होता है। हालांकि, कई बार व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की ऐसी दशा भी रहती है जिस वजह से व्यक्ति को उसकी मेहनत का फल नहीं मिल पाता है। हालांकि, कई बार व्यक्ति की आदतें भी उसके लिए मुसीबत का कारण बन जाती हैं। आइए जानते हैं व्यक्ति का अमीर बनने के लिए कौनसी आदतें छोड़नी होती हैं।

शाम के समय कभी भी खट्टी चीजों का दान नहीं करना चाहिए

मान्यताओं के अनुसार, व्यक्ति की शाम के समय कभी भी छुट्टी चीजों का दान नहीं करना चाहिए। जैसा दही, छाछ, अचार आदि ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं और वह आपके घर से चली जाती हैं। शाम के वक्त नमक का दान करने के लिए भी मना किया जाता है। यदि शाम के समय नमक का दान करने से घर से बरकत चली जाती है।

शाम के समय न दे किसी को पैसे उधार

अगर आप किसी को पैसा उधार देते हैं तो इस बात का ख्याल रखें की आप शाम के समय किसी को पैसा उधार न दें। क्योंकि, शाम के समय पैसे उधार देने से मां लक्ष्मी व्यक्ति से रुष्ट हो जाती हैं।

महिलाओं के अपमान न करें

जिस घर में महिलाओं का अपमान किया जाता है। उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं ऐसे घर में कभी भी मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है। इन आदतों के कारण कई बार व्यक्ति कंगाल भी हो जाता है और उसे पता तक नहीं चलता है।

हमेशा अपने सिर को दोनों हाथ से खुजाना

विष्णु पुराण के अनुसार, जो व्यक्ति अपने दोनों हाथों से सिर को खुजाता है वह हमेशा आर्थिक तंगी से परेशान रहता है।

सूर्योदय के बाद तक सोना

सूर्योदय के बाद तक सोते रहने से सूर्यदेव की कृपा व्यक्ति पर नहीं रहता है। ऐसे में लोगों के जीवन में गरीबी बनी रहती है। साथ ही शाम के समय भी सूर्यास्त के समय सोना नहीं चाहिए और सूर्यदेव का दर्शन करना चाहिए और ध्यान पूजा करनी चाहिए।

चंदन को घिसकर सीधा माथे पर न लगाएं

जिस पत्थर पर चंदन को घिसा जाता है इस पत्थर से सीधा चंदन को उठाकर तिलक नहीं लगाना चाहिए बल्कि पहले किसी कटोरी या बर्तन में तिलक को लगाना चाहिए।

कुंडली में इन ग्रहों की वजह से व्यक्ति नहीं बन पाता अमीर

कुंडली में कमजोर या पीड़ित शुक्र या गुरु होने के कारण भी व्यक्ति को कई तरह की आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुरु और शुक्र धन, विलासिता और समृद्धि को नियंत्रित करते हैं।

शुक्र गुरु को मजबूत करने के लिए उपाय के तौर पर- साफ-सुथरे, अच्छे कपड़े पहनें, छोटी लड़कियों को मिठाई खिलाएं (कन्या पूजा), और शुक्रवार को सफेद वस्तुएं दान करें (जैसे चावल, दूध, चीनी)।

कुंडली में यदि शनि कमजोर अवस्था में होते हैं तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। कुंडली में शनि कमजोर होने पर व्यक्ति के कामकाज में देरी होने लगती है साथ ही गरीबी का कारण भी बन सकता है।

उपाय -शनिवार को तिल के तेल का दीपक जलाएं, बुजुर्गों की सेवा करें और काली वस्तुएं (जैसे काली उड़द की दाल या जूते) दान करें।

मंगल ऊर्जा और ऋण को नियंत्रित करता है। कुंडली में अशुभ मंगल अनावश्यक खर्च या कानूनी परेशानियों का कारण बन सकता है। इसलिए मंगल का कुंडली में शुभ अवस्था में होने बेहद जरुरी है।

उपाय -मंगलवार को लाल दाल का दान करें, आक्रामकता से बचें और शांत स्वभाव रखें।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से निजात दिलाने वाला रहेगा। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप अपने घर के रेनोवेशन आदि के बारे में भी सोच सकते हैं। आपको अपनी संतान की संगति पर भी विशेष ध्यान देना होगा। परिवार में बुजुर्गों की सेवा भाव के लिए भी आप काफी समय निकालेंगे। यदि कुछ पारिवारिक समस्याओं के बावजूद रिश्ते में दूरियां आ गई थी, तो वह भी दूर होगी।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सामाजिक कामों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी छवि अच्छी रहेगी और आपको एक नई पहचान मिलेगी, लेकिन आप अपने मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनाए रखें। माताजी को आप ननिहाल पक्ष के लोगों से मेल-मिलाप कराने लेकर जा सकते हैं। आपका कोई मित्र आपसे धन को लेकर कोई मदद मांग सकता है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मिथुन

मिथुन- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटने के लिए रहेगा। आप इधर-उधर के कामों पर ध्यान ना लगाएं। आपको धन संबंधित मामलों को मिल बैठकर निपटना होगा। कोई कानूनी मामला आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। आपके आसपास में कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आपने कोई बात यदि जीवनसाथी से गुप्त रखी थी, तो वह आज उनके सामने उजागर हो सकती है।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लग सकते हैं, लेकिन आपको एक-एक करके निपटाना बेहतर रहेगा। आप किसी धार्मिक संस्था से जुड़कर अच्छा नाम कमाएंगे। आपके मित्र के रूप में कुछ शत्रु हो सकते हैं। नौकरी में कार्यरत लोगों को मनपसंद काम मिल सकता है, जिससे उनके मन में खुशियां रहेंगी। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के लिहाज से कुछ कमजोर रहने वाला है, क्योंकि आपको बिजनेस में मन मुताबिक लाभ न मिलने से आप परेशान रहेंगे। आपकी किसी नई संपत्ति को खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको किसी नए काम को करना बेहतर रहेगा। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं। आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है।

कन्या

कन्या- आज आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। आप अपने भाई के लिए कुछ धन का इंतजाम करेंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आपकी किसी नहीं संपत्ति को खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको किसी गलती के कारण अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती है।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें। संतान यदि आपको जिम्मेदारी देंगे, तो वह उसमें ढील दे सकते है। आपका शेयर मार्केट में भी कोई नुकसान हो सकता है। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का भी सम्मान करना होगा। आपके मन में किसी बात को लेकर संशय बना हो, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा वाला रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम लगने से आप परेशान रहेंगे, लेकिन आपके स्वभाव में भी चिड़चिड़ापन रहेगा, जिससे परिवार के सदस्य भी परेशान रहेंगे। आपको राजनीति में सोच समझकर कदम बढ़ाना होगा, क्योंकि वहां विरोधी आपके खिलाफ कोई ना कोई चाल चलते रहेंगे। आपको अपने बिजनेस को लेकर कोई लोन आदि लेना पड़ सकता है, तभी आप अच्छा इन्वेस्टमेंट कर पाएंगे।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए किसी कानूनी मामले में सफलता दिलाने वाला रहेगा, क्योंकि आपकी किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती हैं। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें। बिजनेस में आपकी कोई डील यदि अटकी हुई थी, तो वह आपके किसी मित्र की मदद से फाइनल हो सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको धन लाभ मिलने आ सकता हैं। आपको सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से मन परेशान रहेगा।

मकर

मकर- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके लिए दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आप कहीं घूमने-फिरने जाएं, तो वाहनों का प्रयोग आप सावधान रहकर करें, क्योंकि वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह भी आपसे वापस मांग सकते हैं। आप किसी की कहीसुनी बातों का भरोसा ना करें।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ईर्षालु और झगड़ालु लोगों से दूरी बनाकर रखने के लिए रहेगा। परिवार में ही आपके खिलाफ कोई सदस्य षडयंत्र रच सकता है। आपको अपनी बुद्धि का प्रयोग करके लोगों से अपने काम निकालने होंगे। रक्त संबंधी रिश्तों में दूरियां आ सकती है। आप अपनी वाणी की सौम्यता बनाए रखें, क्योंकि किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। धार्मिक कामों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

मीन

मीन- आज आपकी कार्यक्षेत्र में किसी बात को लेकर वाद-विवाद होने की संभावना है, इसलिए आप किसी छोटे-से छोटी बात को नजरअंदाज करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के किसी सदस्य से धन को लेकर कोई वादा बहुत ही सोच समझ कर करें। आपकी कोई इच्छा यदि अधूरी थी, तो वह पूरी हो सकती है, जिससे आपको खुशी होगी। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आप परिवार के सदस्यों को लेकर किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :-
Bread, Cake &
Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin,
Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504,
Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002,
2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W),
Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli,
Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

LIVE IN LAP OF LUXURY
RAMDEVI TOWER
MAHARERA- P51700076849

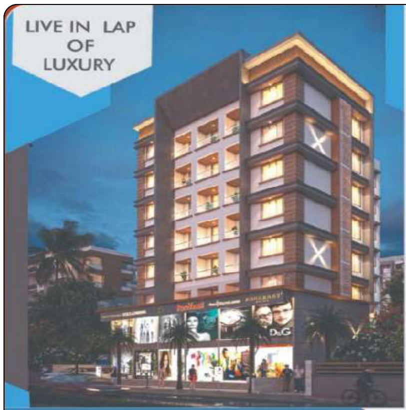

1BHK & 2BHK
&
COMMERCIAL
SHOPS
AVAILABLE
Contact:
7770003478
7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS :
B. K No- 1150,
ROOM NO. 3,4,5,6
POWAI CHOWK,
ULHASNAGAR - 421003.
DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
✦ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
✦ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

डीपीएस स्कूल में 4 वर्षीय छात्र का यौन शोषण!

प्रिंसिपल पर लापरवाही का आरोप, पोक्सो एक्ट के तहत बस ड्राइवर गिरफ्तार

नवी मुंबई (नि.सं.)। नवी मुंबई के सीवुड्स इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में एक 4 वर्षीय छात्र के साथ यौन शोषण का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. इस मामले में स्कूल बस ड्राइवर के खिलाफ एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवायी गयी. पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के विरूद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित छात्र के परिजनों के अनुसार, यह घटना 24 अप्रैल को दोपहर को उस समय सामने आई जब बच्चा स्कूल से लौटने के बाद असहज नजर आया. बातचीत में जब बच्चे ने कुछ इशारे दिए, तब परिजनों को शक हुआ और उन्होंने तुरंत स्कूल प्रशासन से संपर्क किया. परिजनों का आरोप है कि स्कूल की प्रिंसिपल ने इस गंभीर शिकायत को नजरअंदाज किया और आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कोई तत्काल कार्रवाई नहीं की. बाद में परिजनों ने एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने आरोपी बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट की धारा 4, 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. घटना के बाद स्कूल प्रशासन की लापरवाही को लेकर अभिभावकों में रोष है. कई अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और स्कूल से सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की है. सोशल मीडिया पर भी लोग इस मामले को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

मिशन-45 के तहत मात्र 42 दिनों में खारकोपर में सिडको द्वारा

मल्टी लेवल कार पार्किंग का किया गया निर्माण

6 मंजिल में 365 कार होगी पार्क

इस भवन की संरचना भूतल के साथ 6 मंजिला है, जिसमें 6 मंजिलों का उपयोग पार्किंग स्थल के रूप में और भूतल का उपयोग समाज केंद्र के लिए किया जाएगा. पार्किंग स्थल का निर्मित क्षेत्रफल 1.43 लाख वर्ग फुट है और पार्किंग स्थल में 365 चार पहिया वाहनों की पार्किंग की योजना बनाई गई है. वाहनों की बढ़ती संख्या और जगह की कमी के कारण शहर में पार्किंग की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है, ऐसे में इस बहुमंजिला पार्किंग स्थल से सिडको आवासीय परिसरों के निवासियों के लिए अपने वाहन पार्क करना आसान हो जाएगा।

नवी मुंबई (नि.सं.)। सिडको द्वारा मिशन 45 के अंतर्गत नवी मुंबई के खारकोपर में सिडको द्वारार अपनी आवासीय परियोजना में मल्टी लेवल कार पार्किंग का निर्माण कार्य रिकॉर्ड 42 दिनों में पूरा किया गया.सिडको की यह सफलता का जश्न मनाने के लिए शुक्रवार को सिडको के उपाध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक विजय सिंघल, संयुक्त प्रबंध निदेशक शांतनु गोयल, मुख्य अभियंता (नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा) शीला करुणाकरन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रभाकर फुलारी समेत सिडको के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बताते चलें कि सिडको ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 67,000 फ्लैटों की एक विशाल आवास परियोजना का कार्य शुरू किया है. इस योजना के तहत नवी मुंबई के विभिन्न नोड्स में आवास योजना भवनों का निर्माण तेजी से चल रहा है और फ्लैट चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जा रहे हैं. मिशन-45 के अंतर्गत उक्त मेगा आवास योजना के पैकेज-4 के अंतर्गत खारकोपर के प्लाट नं. 3 पर मल्टी लेवल कार पार्किंग निर्माण का काम 4 मार्च को शुरू कर 17 अप्रैल, 2025 को पूरा किया गया. इमारत का निर्माण निर्धारित समय से 3 दिन पहले यानी केवल 42 दिनों में पूरा किया गया. इस तरह के पारंपरिक निर्माण के लिए आवश्यक 6 महीनों को ध्यान में रखते हुए, साढ़े चार महीने का समय बचाया गया है. इस भवन का निर्माण उन्नत एवं विश्व-प्रसिद्ध प्रीकास्ट प्रौद्योगिकी का उपयोग करके अल्प समय में किया गया है. इस निर्माण में कुल 2,212 प्रीकास्ट घटकों का उपयोग किया गया. यह प्लिंथ टु टेरेस आरसीसी निर्माण है।

स्क्रेप गोडाउन में लगी भीषण आग

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी शहर के खोका कंपाउंड में बड़े पैमाने पर पावरलूम कारखाने हैं, जहां गुरुवार रात करीब 11 बजे एक स्क्रेप गोडाउन में भीषण आग लग गई। गोडाउन में बड़ी मात्रा में कागज के पुट्ठे, कपड़े के टुकड़े और चिथड़े भरे थे, जिसके कारण आग बड़ी तेजी पूरे गोडाउन में फैल गई, और देखते ही देखते गोडाउन में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया।

हालांकि गोडाउन में आग लगने की सूचना मिलते ही मनपा अग्निशमन विभाग से दो दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई थी। अग्निशमन दल के जवानों ने आग को अन्यत्र फैलने से रोकने के लिए सावधानी बरती और लगभग चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर नियंत्रण पाया. अग्निशमन दल ने आग को बुझाने का हरसंभव प्रयास किया, जब तक आग पर काबू पाया तब तक पूरा गोडाउन जलकर खाक हो गया था. गोडाउन में अचानक आग लगने का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है. इस आग में भारी नुकसान हुआ है, लेकिन संयोग से इस आग में कोई जनहानि नहीं हुई है।

ड्रग तस्कर बेटे से निराश बाप ने गोली मारकर की आत्महत्या

नवी मुंबई (सनी पांडेय)। प्रसिद्ध भवन निर्माता गुरुनाथ चिंचकर द्वारा खुद को गोली मारकर आत्महत्या की दिल दहला देने वाली घटना शुक्रवार सुबह नवी मुंबई में घटी. यह घटना सुबह उनके निवास स्थान पर घटी. प्राथमिक जांच के अनुसार मृतक का बेटा ड्रग्स (मादक पदार्थ) तस्करी रैकेट में शामिल था, जिससे निराश होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली. पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें मृतक चिंचकर द्वारा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं. ऐसे में यदि इस मामले की गहराई से जांच हुई तो आत्महत्या का यह मामला भ्रष्टाचार, ड्रग्स तस्करी में सरकारी अधिकारियों की मिली भगत, राजनीतिक हस्तक्षेप तक पहुंच सकती है।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरनाथ चिंचकर बेलापुर के किल्ला गांवठान में रहते थे. हमेशा की तरह वे सुबह 6 बजे ग्राउंड फ्लोर पर आये. इस दौरान उन्होंने अपने कार्यालय में अपनी ही बंदूक से अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली. उनके भतीजे ने एनआरआई पुलिस को इसकी जानकारी दी. जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच शुरू की. इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए सहायक पुलिस आयुक्त अजयकुमार लांडगे ने बताया कि गुरनाथ चिंचकर ने 9 एमएम बंदूक से खुद को गोली मारी. आत्महत्या से पहले उनके द्वारा लिखा गया एक नोट मिला है. जिसमें उन्होंने लिखा है कि, उनका बेटा मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है. उन्हें इसी बात का दुख है. संभवत: इसी कारण उन्होंने आत्महत्या की होगी. बहरहाल इस मामले की जांच जारी है।

सुसाइड नोट से एमसीबी के अधिकारी सवालों के घेरे में

गुरुनाथ चिंचकर, कुख्यात ड्रग्स माफिया नवीन चिचकर के पिता थे, जो पहले से ही कई मामलों में एनसीबी की जांच के दायरे में है. सुसाइड नोट के अनुसार, मृतक चिंचकर पर एनसीबी के एक उच्च अधिकारी द्वारा लगातार पैसों की मांग की जा रही थी और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था. इस दबाव और उत्पीड़न से तंग आकर उन्होंने यह कठोर कदम उठाया. सूत्रों की मानें तो चिचकर ने आत्महत्या से पहले अपने करीबी मित्रों से भी बात की थी और अपने ऊपर बन रहे दबाव की जानकारी दी थी. पुलिस और एनसीबी की टीम अब सुसाइड नोट की जांच कर रही है और आरोपी अधिकारी की भूमिका को लेकर जांच शुरू कर दी गई है. यह मामला सामने आने के बाद एनसीबी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. अगर आरोप साबित होते हैं, तो यह देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है।

अलर्ट के बावजूद रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा राम भरोसे

ठाणे (नि.स.)। कश्मीर में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद मुंबई, ठाणे समेत महाराष्ट्र भर में पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस को अलर्ट रहने के आदेश के बावजूद ठाणे, डोंबिवली और कल्याण रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा राम भरोसे ही है। ठाणे रेलवे स्टेशन के पूर्व में स्थापित यात्री सामान एवं माल जांच प्रणाली गायब है। कल्याण स्टेशन के पश्चिम में स्थापित जांच प्रणाली का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया जाता है। जबकि डोंबिवली स्टेशन पर तो यह प्रणाली उपलब्ध ही नहीं है। इसलिए यह सवाल उठ रहा है कि यात्रियों की सुरक्षा पुलिस बल पर कितनी निर्भर करेगी।

मालूम हो कि कश्मीर में पर्यटकों पर आतंकवादी हमला हुआ। इस हमले में डोंबिवली के तीन पर्यटकों की मौत हो गई। इससे पूरे ठाणे जिले में शोक व्याप्त हो गया है। आतंकवादी हमले के बाद रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मगर यहां सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या ये अलर्ट आदेश महज कागजी आदेश हैं। यह दावा किया गया कि 26/11 के आतंकवादी हमलों के बाद मुंबई, ठाणे में महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रेलवे सुरक्षा बल ने सुरक्षा कारणों से ठाणे रेलवे स्टेशन के पूर्व में बैगेज स्क्रीनिंग सिस्टम और मेटल डिटेक्टर जैसी निरीक्षण प्रणालियां स्थापित की थीं। लेकिन पूर्व में सैटिस परियोजना पर काम चल रहा है। इसलिए, इस निरीक्षण प्रणाली को हटा दिया गया।

आलम यह है अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी जांच के ठाणे रेलवे स्टेशन में प्रवेश कर सकता है। यही हाल डोंबिवली रेलवे स्टेशन का भी है वहां पर भी कोई सुरक्षा प्रणाली स्थापित नहीं की गई है। जबकि कल्याण रेलवे स्टेशन के पश्चिम में यात्री सामान जांच प्रणाली स्थापित की गई है। लेकिन यह व्यवस्था अव्यवस्थित है। पूर्व दिशा में कोई प्रणाली स्थापित नहीं की गई है। हर रोज लाखों यात्री ठाणे, डोंबिवली और कल्याण रेलवे स्टेशनों से यात्रा करते हैं। लेकिन चूंकि यह व्यवस्था अपर्याप्त है, इसलिए यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा सामने आ गया है। कल्याण और ठाणे स्टेशनों पर लंबी दूरी की ट्रेनें चलती हैं। इसलिए, सवाल यह उठता है कि दुर्घटना की स्थिति में कौन जिम्मेदार होगा?

पहलगाम आतंकी हमले का शिवसेना (यूबीटी) ने किया विरोध

भिवंडी (नि.स.)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा हिन्दू पर्यटकों पर किए गए कायरतापूर्ण हमले की पूरे देश में निंदा की जा रही है, जिसको लेकर भिवंडी शिवसेना (यूबीटी) ने भी कड़ा विरोध किया है. इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर शहर जिला प्रमुख मनोज गगे, लोकसभा समन्वयक हनुमान पाटील, महानगर प्रमुख अरुण पाटील, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, जिला आयोजक वैशाली मेस्त्री की उपस्थिति में कायरतापूर्ण आतंकी हमले का विरोध करते हुए मारे गए हिंदू भाइयों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आंदोलन में शामिल लोगों ने पाकिस्तान के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी करते हुए हमले की निंदा की. इस आंदोलन में कविता भगत, फशीताई पाटील, राजेंद्र काबाडी, वैभव तूपसाखरे, गणेश मोरे, प्रशांत वसानी, मयूर कदम, प्रताप शिंदे, केदार सिंगासने, अजय तेजे, मुजम्मिल खान, शफीक अंसारी सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक एवं नागरिक शामिल थे।

एनआयए ने डोंबिवली में पर्यटक परिवारों से की पूछताछ

डोंबिवली (नि.स.)। कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआयए) ने डोंबिवली में तीन मृतक पर्यटकों संजय लेले, हेमंत जोशी और अतुल मोने के परिवारों से पूछताछ की। एनआईए की एक टीम ने मंगलवार को हुए आतंकी हमले की घटना के बारे में पीड़ित परिवार से विस्तृत जानकारी ली। पीड़ित परिवार सदमे में है क्योंकि आतंकवादियों ने उनके सामने ही उनके परिवार के सदस्य की बेरहमी से हत्या कर दी। वे अभी तक इस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम डोंबिवली पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से संजय लेले, अतुल मोने और हेमंत जोशी के शोकाकुल परिवारों से उनके आवास पर मिली। पहलगाम बैसरन घाटी में जब घूम रहे थे तब आतंकवादी कहां से आए? वे किस भेष में थे? जब आतंकवादी हमला हो रहा था तब हम क्या कर रहे थे? जब आतंकवादी हमारे पास पहुंचे तो हमने क्या भूमिका निभाई? राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने लेले, जोशी और मोने के परिवारों से बात करने की कोशिश की, जिससे कई सवाल उठे कि उस समय अन्य पर्यटक क्या कर रहे थे। यह जानकारी देते हुए पीड़ित परिवार का हर सदस्य बेहद दुखी नजर आया। उनके मुँह से कोई शब्द नहीं निकला। परिवार जबाव देने के मूड में नहीं था। ऐसी दुःखद एवं शोकाकुल स्थिति में जानकारी प्राप्त करना उचित नहीं होगा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने यह मानते हुए जांच रोकने का निर्णय लिया कि इस तरीके से पूरी जानकारी प्राप्त करना उचित नहीं होगा। प्राप्त विस्तृत जानकारी लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम आगे की जांच के लिए अगले चार दिनों में डोंबिवली वापस आएगी।

आतंकवादियों को गोली मारो...

जिस तरह से आतंकवादियों ने हमारे सामने हमारे पिता, चाचा और मामा को बेरहमी से मार डाला। सरकार को उन आतंकवादियों को देखते ही गोली मार देनी चाहिए। चाहे वे आतंकवादी देश की किसी भी सीमा पर हों। मीडिया से बात करते हुए दिवंगत पर्यटक संजय लेले के पुत्र हर्षल लेले ने अपनी तीव्र भावना व्यक्त करते हुए कहा कि इन लोगों को तत्काल ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। जिन पर्यटकों ने हमारे परिवार पर हमला किया वे किसी फिल्म के दृश्य में दिखाए गए आतंकवादियों जैसे कपड़े पहने हुए थे। उसके माथे पर एक गोप्रू कैमरा लगा हुआ था। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने कश्मीर में आतंक फैलाया है और पूछा कि आप लोगों में हिंदू कौन हैं? जैसे ही संजय लेले, हेमंत जोशी और अतुल मोने ने हाथ उठाया, उन्होंने उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं और भाग गए। हर्षल ने मांग की कि ऐसे आतंकवादियों को देखते ही गोली मार दी जानी चाहिए।

समुद्री सीमाओं की मजबूत सुरक्षा, आईएनएस सूरत से मिसाइल विध्वंसक का सफल परीक्षण

मुंबई (नि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले में 27 पर्यटकों की मौत के बाद पूरे भारत में चिंता और गुस्से का माहौल है। भारत सरकार ने पाकिस्तान पर कई सख्त प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके मद्देनजर भारतीय नौसेना ने कल युद्धपोत आईएनएस सूरत से स्वदेश निर्मित निर्देशित मिसाइल विध्वंसक का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इससे नागरिकों को यह संतुष्टि मिलती है कि भारतीय नौसेना भी समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार है। कल युद्धपोत आईएनएस सूरत से समुद्र के ऊपर कम ऊंचाई वाली मिसाइल को हवा में ही रोक देने का परीक्षण किया गया।

समुद्र के पास पानी के ऊपर कम ऊंचाई से आने वाली मिसाइल का तुरंत पता लगाना मुश्किल है। उस मिसाइल का अस्तित्व तभी ज्ञात होता है जब वह एक निश्चित दूरी तक पहुंच जाती है। रक्षा सूत्रों ने कहा कि किए गए सफल परीक्षण के साथ भारतीय नौसेना ने इस कठिन चरण को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। आईएनएस सूरत भारतीय नौसेना का सबसे आधुनिक युद्धपोत है। आईएनएस सूरत देश को हवाई सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। यह युद्धपोत सीमा से कुछ किलोमीटर दूर हवा में ही दुश्मन की मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम होगा। आईएनएस सूरत 15बी श्रेणी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक परियोजना का चौथा और अंतिम जहाज है। यह विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक आधुनिक विध्वंसक जहाजों में से एक है। इसमें 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री है। यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर पैकेजों और उन्नत नेटवर्क-केंद्रित क्षमताओं से लैस है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश में गुस्से की लहर है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मधुबनी जिले में एक सभा को संबोधित कर हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, मैं साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि इन आतंकियों और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अब समय आ गया है कि आतंकियों के बचे हुए गढ़ों को भी नष्ट कर दिया जाए। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति आतंकियों की कमर तोड़े बिना नहीं रहेगी। उधर भारतीय नौसेना ने आईएनएस सूरत के सफल परीक्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। भारतीय नौसेना ने इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह उपलब्धि राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में अपने लक्ष्य को सटीकता के साथ भेदा, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और उपलब्धि है।

BH Capital
ONE STOP SOLUTION FOR ALL YOUR BUSINESS FINANCIAL NEEDS
UNSECURED BUSINESS LOAN
UNSECURED CORPORATE LOAN
UNSECURED MACHINERY LOAN
UNSECURED WORKING CAPITAL - CC / OD FACILITY
UNSECURED SALES & PURCHASE BILL DISCOUNTING
LOAN AGAINST PROPERTY
Ajay (MBA-Finance)
9321457879
MUMBAI OFFICE: A-5, 3RD FLOOR, CHADHA APARTMENT PREMISES CO-OP. SOC. LTD., TELI GALLI CROSS LANE, OPP. GINGER HOTEL, ANDHERI (E) - 400 069.
REGISTERED OFFICE: OFFICE NO. 7, B WING, PALI HILL APARTMENT, NEAR SADHU VASWANI STATUE, GOL MAIDAN, ULHASNAGAR - 421 002.
E-mail: info@bhcapital.in | www.bhcapital.in

18 अनधिकृत स्कूलों की सूची घोषित

अपने बच्चों को इन स्कूलों में प्रवेश दिलाने से बचें अभिभावक -भिवंडी मनपा

भिवंडी (नि.सं.)। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है. भिवंडी मनपा शिक्षा विभाग को जानकारी मिली है कि मनपा क्षेत्र में कई विद्यालय ऐसे हैं जो बिना अनुमति के गैरकानूनी तरीके से चल रहे हैं. ऐसे 18 गैरकानूनी निजी विद्यालयों की सूची मनपा शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गयी है. मनपा शिक्षा विभाग के उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर ने शैक्षणिक नुकसान से बचने के लिए अभिभावकों से अपने बच्चों को इन अनधिकृत विद्यालयों में दाखिला न दिलाने का अनुरोध किया है।

मनपा प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा जानकारी दी गई है शहर के अनाधिकृत विद्यालयों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए, नोटिस जारी कर दी गई है. जल्द ही संबंधित लोगों के विरुद्ध आपराधिक मामला भी दर्ज किया जाएगा. प्राथमिक शिक्षा विभाग ने अभिभावकों को भरोसा दिलाया है कि इन अनधिकृत विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को निकट के विद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालयों में प्रवेश लेते समय अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जिन स्कूलों में अपने बच्चों का एडमिशन करवा रहे हैं वे सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूल है।

सरकारी अनुमति के बिना चल रहे अनाधिकृत विद्यालय- 1. रॉयल इंग्लिश स्कूल पटेल कंपाउंड धामनकर नाका, 2. नोबेल इंग्लिश स्कूल, अवचित पाड़ा, 3. अलरजा उर्दू प्राइमरी स्कूल, गैबी नगर, 4. मराठी प्राइमरी स्कूल, पाइप लाइन टेमघर, 5. अंग्रेजी प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय,पाइप लाइन टेमघर, 6. द लर्निंग प्राइमरी स्कूल, टेमघर पाड़ा, 7. एकता इंग्लिश पब्लिक स्कूल, फातमा नगर, नागांव, 8. एकता उर्दू पब्लिक स्कूल, फातमा नगर नागांव, 9.एआर रहमान उर्दू प्राइमरी स्कूल, फातमा नगर नागांव, 10. जवेरिया उर्दू प्राइमरी स्कूल, गैबी नगर, 11. विवेकानन्द इंग्लिश माध्यमिक स्कूल, नवी वस्ती, 12. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, रावजीनगर,पावर हाउस के पास, 13. अलहिदाया पब्लिक प्राइमरी स्कूल, पटेल नगर बाला कंपाउंड, 14. तहजीब इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, जैतनपुरा, 15. इकरा इस्लामिक मकतब स्कूल, नदी नाका, 16. कैसर बेगम इंग्लिश स्कूल, नागांव, 17. फरहान इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, दीवानशाह दरगाह रोड, 18. गीतांजलि माध्यमिक स्कूल, गायत्रीनगर वरालादेवी रोड।

इसी तरह भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र में आठ निजी विद्यालय गैरकानूनी तरीके से चल रहे हैं, जिनकी सूची जिला परिषद ठाणे द्वारा जारी की गई है उनमें:- 1. लिओ हाई स्कूल काल्हेर, 2. नॅशनल इंग्लिश स्कूल दापोड़ा, 3. श्री. चौतन्य टेक्नो स्कूल सोनाले, 4. विद्याप्रबोधनी इंग्लिश स्कूल झिडके, 5. डिझाईन ग्रेस हाईस्कूल वज्रेश्वरी, 6. विनर्स इंग्लिश स्कूल कांबा गांव, 7. अग्निमाता इंग्लिश स्कूल पिंपलास, 8. आर.एन. इंग्लिश स्कूल, कोनगांव स्कूलों का समावेश है। जिला परिषद प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत अनधिकृत स्कूलों के खिलाफ दंडात्मक और आपराधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ठाणे जिला परिषद के अधिकार क्षेत्र में कोई भी अनधिकृत स्कूल संचालित नहीं होगा। ठाणे जिला परिषद के प्राथमिक विभाग के शिक्षणाधिकारी बालासाहेब राक्षे के अनुसार, 'अभिभावकों को यह जांच कर लेनी चाहिए, कि स्कूल उनके बच्चे के शैक्षणिक भविष्य के लिए सरकार से अनुमोदित है या नहीं। कृपया प्रवेश करने से पहले इसकी पुष्टि करें। अनधिकृत स्कूलों में प्रवेश के कारण होने वाली किसी भी शैक्षिक हानि के लिए अभिभावक पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।'

सिगरेट नहीं देने पर पान स्टॉल मालिक की बेरहमी से पिटाई

कल्याण (नि.स.)। कल्याण में सिगरेट नहीं देने पर दो भाइयों ने एक पान स्टॉल मालिक की लोहे की रॉड से बेरहमी से पिटाई कर दी। इस हमले में पान स्टॉल मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों के नाम लकीश भोसले और निखिल भोसले हैं। इस मामले में कल्याण की महात्मा फुले चौक पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार कल्याण पश्चिम में बिर्ला कॉलेज रोड पर अनिकेत केने की 'ए-वन पान की दुकान' है। 18 अप्रैल को रात करीब साढ़े दस बजे जब अनिकेत स्टॉल बंद कर रहा था, तभी उसी इलाके में रहने वाले लकीश भोसले और निखिल भोसले नाम के दो युवक उसके पास आए और सिगरेट मांगी।

चूंकि दुकान बंद हो रही थी, इसलिए उसने उन्हें सिगरेट देने से इनकार कर दिया। इससे तीनों के बीच बहस हुई। हालांकि, स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर विवाद को शांत कराया। इस बात से गुस्साए दोनों भाई कल यानी 24 अप्रैल को सुबह करीब साढ़े 11 बजे अनिकेत के पान की दुकान पर आए और फिर से उसके साथ गाली-गलौज की। एक भाई ने उसका हाथ पकड़ लिया और दूसरे भाई ने लोहे की रॉड से अनिकेत के सिर और हाथ पर बुरी तरह से वार किया। इसमें अनिकेत गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके सिर, हाथ, कंधे और नाक पर गंभीर चोटें आने के कारण अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस मामले में महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में लकीश और निखिल भोसले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। फ़िलहाल दोनों आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।